Syllabus 'Vidya-Varidhi (Ph. D.) Course Work' in Sanskrit

Maharishi Valmiki Sanskrit University,

Kaithal (Haryana)

(W.e.f. 2022-2023)

विद्यावारिधि (पीएच. डी.) कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम के लिए सामान्य सूचनाएँ और दिशानिर्देश

1. महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल, हरियाणा वर्तमान सत्र 2022-23 से वेद, संस्कृत-व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष और संस्कृत-साहित्य, संस्कृत में विज्ञान, तकनीकि साहित्य, और पाण्डुलिपि-विज्ञान इत्यादि विषयों पर संस्कृत में विद्यावारिधि (पीएच. डी.) उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम चला रहा है।
2. विद्यावारिधि (पीएच. डी.) कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम अंतर-विषयक और बहु-विषयक हो सकता है, जिसमें संबद्ध स्थिति और संबंधित विषय का दायरा हो और तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में हो। वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान के महत्व को ध्यान में रखते हुए और अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए यू.जी.सी. के इस संबंध में पीएचडी 2016 के दिशानिर्देश के अनुरुप तैयार किया गया है।
3. इस शोध-पाठ्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में दृष्टिकोण, शिक्षाशास्त्र और उनके निहितार्थों से परिचित करवाकर अनुसन्धान की गुणवत्ता के लिए प्रेरित करना है।
4. विद्यावारिधि (पीएच. डी.) कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम में विषय के ज्ञान, नए तथ्यों की खोज एवं महत्वपूर्ण विश्लेषण द्वारा तथ्यों के बीच संबंध स्थापित करते हुए मौलिक-साक्ष्यों के लिए एक योगदान होना चाहिए।
5. वर्ष 2022 से विद्यावारिधि (पीएच. डी.) कोर्स वर्क, एक सेमेस्टर के समकक्ष छह माह की अवधि का होगा। विद्यावारिधि (पीएच. डी.) कोर्स वर्क, यूजीसी पीएच. डी. विनियम, 2016 के (Ph.D. Regulations of UGC, 2016) अनुसार और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री (पीएच. डी.), 2022 (ड्राफ्ट) के अनुसार दी जाएगी।
6. विद्यावारिधि (पीएच. डी.) कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम से संबंधित शोध प्रस्ताव, टर्म पेपर, पुस्तक / लेख समीक्षा और शोधप्रबन्ध एवं विद्यावारिधि (पीएच. डी.) कोर्स वर्क, संस्कृत भाषा में लिखना अनिवार्य होगा।
7. विद्यावारिधि (पीएच. डी.) कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम में चार पत्र होंगे। प्रत्येक पत्र के चार-चार क्रेडिट और 100-100 अंक होंगे तथा कुल 16 क्रेडिट और 400 अंक का कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम होगा।
8. सभी शोध छात्र-छात्राओं के लिए विद्यावारिधि (पीएच.डी.) कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम को एक सेमेस्टर के अन्तराल में पूरा करने की आवश्यकता होगी, जिसमें विफल होने पर शोधार्थी को प्री-पीएच. डी. के अगले बैच के साथ एक मौका दिया जा सकता है।
9. विद्यावारिधि (पीएच. डी.) कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम में बने रहने और शोध प्रबंध / थीसिस जमा करने के लिए शोधार्थी को पाठ्यक्रम में न्यूनतम 55% अंक प्राप्त करने होंगे। शोधार्थी को विद्यावारिधि (पीएच. डी.) कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम के दौरान व्याख्यान (पाठ्यक्रम) में भाग लेने और विभाग में आयोजित सेमिनारों में भाग लेना होगा। कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से शोधार्थी की न्यूनतम 70 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।

10/5/23

विद्यावारिधि कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम

प्रथम-पत्र - शोधप्रविधि (Research Methodology) श्रेयाङ्क - ४	पूर्णाङ्क- १००
Unit I: अनुसन्धान की सैद्धान्तिक अवधारणाएँ (Theoretical concepts of Research) 1. अनुसन्धान का स्वरूप अनुसन्धान, आलोचना एवं समीक्षा, संस्कृत - अध्ययन की शाखाएँ, संस्कृतशोध के उद्देश्य एवं क्षेत्र (Concept of Research - Research, Criticism and Analysis, Branches of Sanskrit studies, Aims and Areas of Sanskrit Research). 2. विषयचयनपद्धति एवं चयनित विषय में किये गये शोधकार्यों का निरीक्षण (Method of topic selection and Survey of researches in the broader areas of selected topics). 3. शोधप्रबन्ध की रूपरेखानिर्माणपद्धति (Method of Preparing Synopsis) 4. शोध के घटकतत्त्व एवं शोधपद्धति (Components of Research and Research Methodology). 5. अनुसन्धान के साधन (Tools of Research) 6. सन्दर्भग्रन्थसूची के निर्माण की प्रक्रिया (Method of Making a Bibliography). 7. लिप्यन्तरण (Transliteration)	२५ अङ्क
Unit II: शोधसामग्री के स्रोत एवं उनका विभाजन (Sources of Research material and classification) 1. सामग्री संकलन: मुख्य एवं गौण - परम्परागत स्रोत एवं ई-स्रोत (Material Collection: Primary and Secondary - Traditional and E-Resources). 2. संस्कृत शोध विषयक सन्दर्भ ग्रन्थ (Reference books related to Sanskrit research). 3. कोशग्रन्थ (Dictionaries) 4. विश्वकोश (Encyclopedias) 5. हस्तलिखित एवं मुद्रित ग्रन्थों की सूचियाँ (Catalogues of manuscripts and publications). 6. परिशिष्ट (Appendic) पुष्पिका – पूर्वबन्ध, पश्चबन्ध, उद्धरण, संकेताक्षर सूची (List of Abbreviation) । 7. शब्दानुक्रमणिका (Word indexes) 8. शोधपत्रिकाएँ (Research Journals and Magazines).	२५ अङ्क
Unit III: पाण्डुलिपि - विज्ञान (Manuscriptology) 1. प्राचीन भारत में लेखन का संक्षिप्त इतिहास । 2. लिपियों का परिचय एवं ब्रह्मी एवं शारदा लिपि का ज्ञान । 3. संस्कृत हस्तलेखों का सूचीकरण (NMM- National Manuscript Mission) । 4. पाण्डुलिपि विज्ञान से सम्बन्धित एवं अपरिचित शब्दावली । 5. हस्तलिखित ग्रन्थों एवं पाठों के प्रकार (Types of Manuscripts and Texts). 6. सम्प्रेषित हस्तलिखित ग्रन्थों में भ्रष्टता के कारण (Causes of corruption in the transmitted manuscripts). 7. पाठालोचन के सिद्धान्त (Principles of Editing). 8. पाठनिर्धारण (Re-construction of Text). 9. हस्तलिखित ग्रन्थों के सम्पादन की पद्धति - रामायण और महाभारत (Method of editing manuscripts; with reference to critical editions of Ramayana and Mahabharata of Publication of Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune) 10. पाण्डुलिपि – वंशवृक्ष (Manuscripts - Vansvriks) 11. भारत और विदेशों में संस्कृत हस्तलिखित ग्रन्थों के भण्डार (Libraries of manuscripts in India and Foreign).	२५ अङ्क
Unit IV: सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा प्रदत्त उपकरण एवं तकनीक (Tools and Techniques provided by information technology) 1. संस्कृत शोध से सम्बद्ध संगणकीय उपकरणों का परिचय एवं उपयोग (Introduction and application of various Computational tools in Sanskrit Research). 2. वेब खोज तकनीक एवं मुख्य सर्च इंजन का परिचय (Web search techniques and introduction of main search engine). 3. Editing Tools.	२५ अङ्क

मूल्याङ्कन (लिखित)		
परीक्षा अङ्क – 100 अङ्क	परीक्षा अवधि – 3 घण्टे	
लिखित परीक्षा	खण्ड – क = 10 प्रश्न (50 शब्दों में)प्रत्येक प्रश्न 2-2 अङ्क के होगें।	10 X 2 =20 अङ्क
	खण्ड – ख = 5 प्रश्न (200 शब्दों में) प्रत्येक प्रश्न 5-5 अङ्क के होगें।	5 X 6 = 30 अङ्क
	खण्ड – ग = 5 प्रश्न (600 शब्दों में) प्रत्येक प्रश्न 10-10 अङ्क के होगें।	5 X 10 = 50 अङ्क
	कुल अङ्क	100 अङ्क
	Note: 50% option will be provided in part b and c.	

(Text & Reference Books)

1. नगेन्द्र. (2010), अनुसन्धानस्य प्रविधि प्रक्रिया, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली।
2. मिश्र, अभिराज राजेन्द्र एवं राजेश कुमारी मिश्र (2008), शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. सिंह, उदयभानु - अनुसन्धान का विवेचन
4. सिंह, उदयभानु - अनुसन्धान के मूलतत्त्व
5. शर्मा, विनयमोहन - शोध प्रविधि
6. सिन्हा, सावित्री व स्नातक, विजयेन्द्र - शोध प्रक्रिया और विवरणिका
7. कत्रे, एस. एम. (डॉ.) - भारतीय पाठालोचन की भूमिका (हिन्दी अनुवाद)
8. कत्रे, मिथिलेश - पाठालोचन : सिद्धान्त और प्रक्रिया
9. सुक्थंकर, वी. एस. - महाभारत के आलोचनात्मक संस्करण की भूमिका 10. वी. राघवन – न्यू केटेलोगस केटेलोगोरम की भूमिका
11. 'दिनेश', शर्मा, रामगोपाल - पाण्डुलिपि विज्ञान
12. सत्येन्द्र – पाण्डुलिपि विज्ञान
13. Kothari, C. R. (2004). Research methodology: Methods and techniques. New Age International.
14. Koul, L. (2009). Methodology of Educational Research, 4Enew E. Vikas publishing house PVT Ltd.
15. Kumar, S., & Phrommathed, P. (2005). Research methodology (pp. 43-50). Springer US.
16. Neville, C. (2010). The complete guide to referencing and avoiding plagiarism. McGraw- Hill Education (UK).
17. Nunan, D. (1992). Research methods in language learning. Cambridge University Press.
18. Turabian, K. L. (2013). A manual for writers of research papers, theses, and dissertations: Chicago style for students and researchers. University of Chicago Press.
19. http://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/12164/11/11_chapter%204.pdf
20. http://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/29975/12/12_chapter%205.pdf
21. http://www.baraha.com/
22. http://www.chicagomanualofstyle.org/home.html
23. http://www.citethisforme.com/guides
24. https://owl.english.purdue.edu/owl/resource/747/01/
25. https://reeta-yashvantblog.blogspot.in/2016/03/blog-post.html
26. https://web.library.uq.edu.au/research-tools-techniques/referencing-style-guides.
27. पाण्डुलिपि परिचय, अयोध्या चन्द्र दास, कुरुक्षेत्र
28. शोध प्रविधि, प्रभुनाथ द्विवेदी।
29. शोध प्रविधि, रहसबिहारी द्विवेदी।

Note: Teachers are free to recommend any relevant books, articles, e-resource.

विद्यावारिधि कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम

द्वितीय-पत्र - संस्कृत शास्त्रों का सामान्य परिचय एवं उन पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण (General introduction to Sanskrit Sastras and Survey of Research on them) श्रेयाङ्क - ४	**पूर्णाङ्क** १००
Unit **I: वैदिक** साहित्य तथा ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction **and survey of** Vedic literature and Jyotish Sastras) 1. संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषदों, वेदाङ्गों (शिक्षा, कल्प, निरुक्त, छन्द) तथा वैदिक भाष्यकारों का सामान्य परिचय 2. वैदिक साहित्य के प्रमुख ग्रन्थों पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण 3. भारतीय ज्योतिष-परम्परा का सामान्य परिचय 4. ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण	२५ अङ्क
Unit II: भारतीय दर्शन तथा धर्मशास्त्र का सामान्य परिचय तथा आधुनिक साहित्य का सर्वेक्षण (General introduction and survey of Indian Philosophy and Dharmasastra) 1. भारतीय दार्शनिक परम्परा का सामान्य परिचय 2. भारतीय दर्शन के प्रमुख इतिहासग्रन्थों का सर्वेक्षण 3. धर्मशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों का सामान्य परिचय 4. धर्मशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण	२५ अङ्क
Unit III: व्याकरणशास्त्र तथा साहित्यशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction and survey of Grammar and Sanskrit Poetics) 1. संस्कृत व्याकरण परम्परा का सामान्य परिचय 2. पाणिनि, पतञ्जलि, भर्तृहरि तथा भट्टोजिदीक्षित पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण 3. भारतीय साहित्यशास्त्रीय परम्परा का सामान्य परिचय 4. साहित्यशास्त्र के प्रमुख इतिहास ग्रन्थों का सर्वेक्षण	२५ अङ्क
Unit IV : इतिहास-पुराण तथा अभिलेखशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction and survey of Itihasa-Purana and Epigraphy) 1. इतिहास तथा पुराण साहित्य का सामान्य परिचय 2. रामायण, महाभारत तथा पुराणों पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण 3. अभिलेखशास्त्र का सामान्य परिचय 4. अभिलेखशास्त्रीय प्रमुख शोधग्रन्थों पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण	२५ अङ्क

मूल्याङ्कन (लिखित)		
परीक्षा अङ्क – 100 अङ्क		परीक्षा अवधि – 3 घण्टे
लिखित परीक्षा	खण्ड – क = 10 प्रश्न (50 शब्दों में)प्रत्येक प्रश्न 2-2 अङ्क के होगें।	10 X 2 =20 अङ्क
	खण्ड – ख = 5 प्रश्न (200 शब्दों में) प्रत्येक प्रश्न 5-5 अङ्क के होगें।	5 X 6 = 30 अङ्क
	खण्ड – ग = 5 प्रश्न (600 शब्दों में) प्रत्येक प्रश्न 10-10 अङ्क के होगें।	5 X 10 = 50 अङ्क
	कुल अङ्क	100 अङ्क
	Note: 50% option will be provided in part b and c.	

सन्दर्भग्रन्थ - (References)

1. उपाध्याय वलदेव, वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा संस्थान, वाराणसी।
2. उपाध्याय वलदेव, संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, प्रथम भाग (वेद), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
3. ऋषि उमा शंकर शर्मा, संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी।
4. त्रिपाठी गया चरण, वैदिक देवता उद्भव और विकास, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
5. द्विवेदी कपिलदेव, वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. भगवद्दत्त, वैदिक वङ्मय का इतिहास, विजय कुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली।
7. दीक्षित शङ्कर बालकृष्ण - भारतीय ज्योतिषशास्त्र का इतिहास (अनु.), शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी संस्थान, लखनऊ
8. शास्त्री नेमिचन्द्र - भारतीय ज्योतिषशास्त्र का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
9. गोरख प्रसाद - भारतीय ज्योतिषशास्त्र का इतिहास, हिन्दी संस्थान, लखनऊ
10. Radhakrishanan S. - Indian Philosophy, Vol. I-II, London, 1967.
11. Dasgupta S.N. - History of Indian Philosophy, Vol. I-V, MLBD, Delhi, 1975.
12. उपाध्याय वलदेव - भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वाराणसी, २००१
13. शर्मा चन्द्रधर भारतीय दर्शन : आलोचना और अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००४ .....
14. Kane, PV, History of Dharmashastra, Vol – 1, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
15. काणे पाण्डुरंग वामन, धर्मशास्त्र का इतिहास, अनु. अर्जुन चौबे काश्यप, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
16. अग्निहोत्री प्रभुदयाल - पतञ्जलिकालीन भारतवर्ष, पटना, १९६३
17. अग्रवाल वासुदेवशरण - पाणिनिकालीन भारतवर्ष, पटना, १९६९
18. मीमांसक युधिष्ठिर - संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास, ३ भाग, सोनीपत, १९७४
19. वर्मा सत्यकाम – संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास, दिल्ली
20. Cardona, George - Panini: A Survey of Research, Delhi, 1980
21. Ray, Bidyut Lata - Panini to Patanjali: A Grammatical March, Delhi, 2004
22. Schafe, H. Wiesbaden. Grammatical Literature (A History of Indian Literature Vol. V),
23. De, S.K.— History of Sanskrit Poetics, K. L. Mukhopadhyay, Calcutta
24. Kane, P.V - History of Sanskrit Poetics, MLBD, Delhi
25. उपाध्याय बलदेव - भारतीय साहित्यशास्त्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
26. कृष्ण कुमार - अलङ्कारशास्त्र का इतिहास, साहित्य भण्डार, मेरठ
27. Hopkins, E.W. - The Great Epic of India, Reprinted by Punthi Pushtaka, Calcutta, 1969
28. Hazra, R.C. - The Puranas: The Upapuranas in the Cultural Heritage of India, Vol. II, pub. by R.K. Mission Institute of Calcutta, 1962.
29. Kausambi, D. D., Prachin Bharat ki Sanskriti aur Sabhyata, Rajkamal Prakashan, 2006, New Delhi.
30. Majumdar, R. C., Ancient India, Motilal Banarasidass, 2013, Delhi.
31. Mahabharata with Nilkantha's Commentary, Chitrasala Press, 1929-33, Poona.
32. Pusalker, A.D. - Studies in the Epic and Puranas, Bharatiya Vidya Bhavan, Bombay, 1963.
33. Upadhyay, Baldev, Purana - Vimarsh, Chaukhamba Vidyabhavan, 2013, Varanasi.
34. दुबे, सीताराम (डॉ.) - अभिलेखिक अध्ययन की प्रविधि एवं इतिहास, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
35. राही, आई.सी. – लेखन कला का इतिहास, लखनऊ
36. उपाध्याय, वासुदेव (डॉ.) - प्राचीन भारतीय अभिलेख, राजेन्द्र नगर, पटना
37. मुले, गुणाकर - भारतीय लिपियों की कहानी, राजकमल प्रकाशन, पटना
38. Sarkar, D.C., Indian Epigraphy, a guide to the study of inscription – Sanskrit, Prakrit & other indian languages, Munshi Ram Manohar Lal Publisher Pvt. Ltd. Delhi.
39. Ramesh,K.V. - Indian Epigraphy, Delhi.
40. संस्कृत काव्य शास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास, प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी

Note: Teachers are free to recommend any relevant books / articles/e-resource.

विद्यावारिधि कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम

तृतीय-पत्र - अनुसन्धान एवं प्रकाशन नैतिकता (Research and Publication Ethics) श्रेयाङ्क ४	पूर्णाङ्क १००
Unit I: सैद्धान्तिक-पाठ्यक्रम -वैज्ञानिक अनुसन्धान के सम्बन्ध में नैतिकता, बौद्धिक-सत्यनिष्ठा और अनुसन्धान में शुचिता, वैज्ञानिक-कदाचार मिथ्याकरण, विरचना (छलरचना) और साहित्यिक चोरी (Falsification, Fabrication and Plagiarism - FFP), निरर्थकप्रकाशन - समरूप (अनुकृति प्रतिकृतिर्वा) परस्परव्यापी प्रकाशनम्. सलागी स्लाइसिंग (चिकना चुपडा प्रकाशन) चयनात्मक प्रतिवेदन, आधार सामग्रियों की मिथ्या प्रस्तुति, प्रकाशन नैतिकता की परिभाषा, परिचय, और महत्त्व। उपक्रम के दिशा निर्देशों को स्थापित करने के लिए सर्वोत्तम मानक (COPE, WAME CLC.)। हित के लिए संघर्ष। प्रकाशन के कदाचार की परिभाषा, अवधारणा अनैतिकव्यवहार के विपरीत नियमों एवं समस्याओं के प्रकार। प्रकाशन की नैतिकता के कर्त्तव्यों का उल्लङ्घन। प्रकाशन के विरुद्ध अभिज्ञान, और पुनर्विचार, अप्रमाणिक प्रकाशक और पत्रिका।	२५ अङ्क
Unit II: प्रायोगिक पाठ्यक्रम मुक्त – उपयोग प्रकाशन, मुक्त उपयोग का प्रकाशन और उपक्रम प्रकाशन के सर्वाधिकारों एवं आत्माभिलेखों का परीक्षण ऑनलाइन संसाधन के द्वारा (SHERPA / ROME), SPPU द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर उपकरण, अप्रमाणिक प्रकाशनों के ज्ञान हेतु शोधपत्रिकाओं में अन्वेषक - जैसे - जेन, एल्सेवियर जर्नल - अन्वेषक, स्प्रिन्गर - जर्नलटूल इत्यादि। प्रकाशन में कदाचार, समूह-चर्चा, विषय की विशिष्टनैतिक समस्याएँ, मिथ्याकरण, छलरचना, साहित्यिक एवं शब्दों की चोरी, हित संघर्ष, अभियोग/आरोप, पुनर्विचार, पुनरावेदन, भारत और विदेशों के दृष्टान्त एवं कल्पनाएं। सॉफ्टवेयर एवं उपकरण, साहित्य एवं शब्दों की चोरी को जानने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग जैसे - Turnitin Urkund, एवं च मुक्तस्रोत सॉफ्टवेयर एवं उपकरण।	२५ अङ्क
Unit III: नव्यन्यायभाषाप्रदीप	२५ अङ्क
Unit IV प्रत्येक शोधार्थी को अधीत शास्त्रीय विषय से दो-दो शोधपत्र लिखने होंगे।	२५ अङ्क

मूल्याङ्कन (लिखित)		
परीक्षा अङ्क – 100 अङ्क		परीक्षा अवधि – 3 घण्टे
लिखित परीक्षा	खण्ड – क = 10 प्रश्न (50 शब्दों में)प्रत्येक प्रश्न 2-2 अङ्क के होगें।	10 X 2 =20 अङ्क
	खण्ड – ख = 5 प्रश्न (200 शब्दों में) प्रत्येक प्रश्न 5-5 अङ्क के होगें।	5 X 5 = 25 अङ्क
	खण्ड – ग = 3 प्रश्न (600 शब्दों में) प्रत्येक प्रश्न 10-10 अङ्क के होगें।	3 X 10 = 30 अङ्क
	खण्ड – घ = 02 शोधपत्र	25 अङ्क
	कुल अङ्क	100 अङ्क
	Note: 50% option will be provided in part b and c.	

सन्दर्भग्रन्थ - (References)

1. Nicholas H. Steneck. Introduction to the Responsible Conduct of Research. Office of Research Integrity. 2007. Available at: https://ori.hhs.gov/sites/default/files/rcrintro.pdf
2. The Student's Guide to Research Ethics By Paul Oliver Open University Press, 2003
3. Responsible Conduct of Research By Adil E. Shamoo; David B. Resnik Oxford University Press, 2003
4. Ethics in Science Education, Research and Governance Edited by Kambadur Muralidhar, Amit Ghosh Ashok Kumar Singhvi. Indian National Science Academy, 2019. ISBN : 978-81-939482-1-7.
5. Anderson B.H., Dursaton, and Poole M.: Thesis and assignment writing, Wiley Eastern 1997.
6. Bijorn Gustavii: How to write and illustrate scientific papers? Cambridge University Press.
7. Bordens K.S. and Abbott, B.b.: Research Design and Methods, Mc Graw Hill, 2008.
8. Graziano, A., M., and Raulin, M.,L.: Research Methods – A Process of Inquiry, Sixth Edition, Pearson, 2007

Note: Teachers are free to recommend any relevant books/articles/e-resource.

विद्यावारिधि कोर्स वर्क-पाठ्यक्रम

चतुर्थ-पत्र - भारतीय ज्ञान-परम्परा (Indian Knowledge Tradition) **श्रेयाङ्क ४**	**पूर्णाङ्क १००**
Unit **I: भारतीय ज्ञान परम्परा में धार्मिक मतों का परिचय, वैशिष्ट्य** – बौद्ध, जैन, वैष्णव, शैव तथा शाक्त धार्मिक मतों का प्रतिपादन।	२५ अङ्क
Unit II: भारतीय ज्ञान परम्परा में दर्शनों के विषयों का परिचय और वैशिष्ट्य – आत्मा, परमात्मा, ईश्वर, ब्रह्म कार्यकारण-सिद्धान्त, प्रमाण-मीमांसा, मोक्ष, कर्म-सिद्धान्त, पुनर्जन्म, मोक्ष-प्राप्ति के साधन।	२५ अङ्क
Unit III:भारतीय ज्ञान परम्परा में सामाजिक एवं राजनैतिक व्यवस्थाएँ **1. भारतीय ज्ञान परम्परा में** सामाजिक व्यवस्था, वर्णाश्रम व्यवस्था, शिक्षा-व्यवस्था, स्त्रियों की सामाजिक स्थिति, षोडश संस्कार। 2. **भारतीय ज्ञान परम्परा में** राजसत्ता, राजतन्त्र, शासनपद्धति, राज्य का सप्ताङ्ग सिद्धान्त।	२५ अङ्क
Unit IV : भारतीय ज्ञान परम्परा में आर्थिक एवं न्यायिक व्यवस्थाएँ **1. भारतीय ज्ञान परम्परा में** अर्थव्यवस्था के प्रमुख पक्ष - राज्य एवं अर्थव्यवस्था, कृषि, व्यापार, लघु उद्योग। 2. **भारतीय ज्ञान परम्परा में** न्यायव्यवस्था के प्रमुख पक्ष - विवाद पद, न्यायिक प्रक्रिया। 3. **भारतीय ज्ञान परम्परा में** प्राचीन भारतीय साहित्य के कालनिर्धारण की समस्याएँ और उनके समाधान।	२५ अङ्क

मूल्याङ्कन (लिखित)		
परीक्षा अङ्क – 100 अङ्क		परीक्षा अवधि – 3 घण्टे
लिखित परीक्षा	खण्ड – क = 10 प्रश्न (50 शब्दों में)प्रत्येक प्रश्न 2-2 अङ्क के होगें।	10 X 2 =20 अङ्क
	खण्ड – ख = 5 प्रश्न (200 शब्दों में) प्रत्येक प्रश्न 5-5 अङ्क के होगें।	5 X 6 = 30 अङ्क
	खण्ड – ग = 5 प्रश्न (600 शब्दों में) प्रत्येक प्रश्न 10-10 अङ्क के होगें।	5 X 10 = 50 अङ्क
	कुल अङ्क	100 अङ्क
	Note: 50% option will be provided in part b and c.	

सन्दर्भग्रन्थ - (References)

1. काणे पाण्डुरंग वामन, धर्मशास्त्र का इतिहास, अनु. अर्जुन चौबे काश्यप, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
2. शर्मा नन्दकिशोर - भारतीय दार्शनिक समस्याएँ
3. भण्डारकर आर. जी. - वैष्णवशैव और अन्य धार्मिक मत (अनुवादक) डॉ. महेश्वरी प्रसाद, दिल्ली
4. Jayaswal, K.P. - Indian Polity
5. Sharma, R.S. - Political institutions in ancient india
6. Ludwig Sternbach - Judicial studies in ancient india law
7. Sengupta – Ancient indian chronology
8. Barth Religions of India 1
9. James Hastings - Encyclopedia of Religion and Ethics
10. Sinha J.N. - Indian Philosophy
11. Jha, Ujjavala - Navyanyaya language and methodology

Note: Teachers are free to recommend any relevant books/articles/e-resource.

10/5/23